जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन, जबलपुर

वार्षिक प्रतिवेदन

2018–19

परिचय

जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीटयूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन दिव्यांगता के क्षेत्र में बच्चों का सर्वांगीण विकास करने में तत्पर है और पिछले 22 वर्षो से बौद्धिक अक्षमता, श्रवण बाधित, आटिस्टक बच्चे एवं सेरेबल पल्सी बच्चों को सशक्त बनाने हेतु अध्ययनरत् बच्चों की क्षमता को बढ़ाने में लगातार प्रयास करता आ रहा है।

जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीटयूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन का संचालन युनाइटेड नेशनल कनवेंशन ऑन दी राइट ऑफ पर्सन्स् विद् डिसेबिलिटीज् (यू.एन.सी.आर.पी.डी.) के अध्यादेश तथा दिव्यांग बच्चों के लिए प्रचलित सवैधानिक अधिनियम एवं राष्ट्रीय नीतियों के अनुसार किया जाता है।

एक उत्कृष्ट संस्था के रुप में संस्थान ने बौद्धिक निःशक्तता बच्चे, श्रवण बाधित बच्चे, आटिस्टक बच्चे एवं सेरेबल पल्सी वाले बच्चों की जिंदगी में समानता और गरिमा लाने के लिए अपने कार्य एवं सेवाओं के प्रत्येक पहलू में गुणवता में सुधार लाने हेतु शिक्षा, चिकित्सा , व्यवसायिक रोजगार, अवकाश एवं सामाजिक क्रियाकलाप, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मानव संसाधन विकास सेवाओं में प्रतिपादित की।

MISSION, VISION, CORE VALUES:-

विशेषज्ञों के निरन्तर प्रयास द्वारा बौद्धिक निःशक्तता, श्रवणबाधित, सेरेबल पल्सी आटिज्म व्यक्तियों/बच्चो को वर्तमान आधुनिक पुर्नवास हस्तक्षेप जैसे शैक्षिक, थेरेप्टिक व्यवसायिक रोजगार, सामाजिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम और जीवन में पूर्ण सहभागिता हेतु तैयार करना या अधिकृत बनना वा स्वाबलम्बन की ओर ले जाना।

VISION:-

अन्य नागरिकों की तरह हर मानसिक मंद, श्रवण बाधित, सेरेबल पल्सी, व्यक्ति का जीवन भी उतना ही विशेष है, जितना अन्य सामान्य व्यक्तियों का। पुर्नवास सेवाओं द्वारा उन्हें अत्याधिक मात्रा में स्वतंत्र जीवन व्यतीत करने हेतु प्रोत्सहित करना। समाज में दिव्यांग अपने पैरों पर खड़ा होकर, स्वाबलम्बी जीवन व्यतीत करें, संस्था का यह संकल्प है।

दिव्यांग जनों के समग्र पुर्नवास में संस्था निम्नांकित उद्देश्यों को लेकर कार्यरत है.

1. दिव्यांगता की रोकथाम, शीघ्र पहचान एवं उपचार।
2. चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना।
3. दिव्यांग बच्चों हेतु विशेष शिक्षा सुविधा।
4. दिव्यांग जनों का सामाजिक एवं आर्थिक पुर्नवास।
5. दिव्यांग जनों के प्रति किये जा रहे व्ययवहार में बदलाव लाने हेतु सामाजिक चेतना जागृत करना एवं उन्हें समाज की मुख्य–धारा से जोड़ना।

संस्था में संचालित कार्यक्रमः–

1. शीघ्र पहचान ।
2. विशेष शिक्षा ।
3. प्रारंम्भिक मध्यस्थता सेवांए ।
4. समावेशित शिक्षा ।
5. वाक् श्रवण मूल्यांकन एवं प्रशिक्षण।
6. मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं परामर्श।
7. सामाजिक पुर्नवास एवं गृह आधारित सेवा ।
8. व्यवहार परिवर्तन एवं प्रबंधन।
9. मार्गदर्शन एवं परामर्श ।
10. व्यवसायिक प्रशिक्षण ।
11. समुदाय आधारित पुर्नवास ।
12. समूह क्रियाकलाप ।
13. व्यवसायिक एवं भौतिक चिकित्सा।
14. संसाधन कक्ष ।

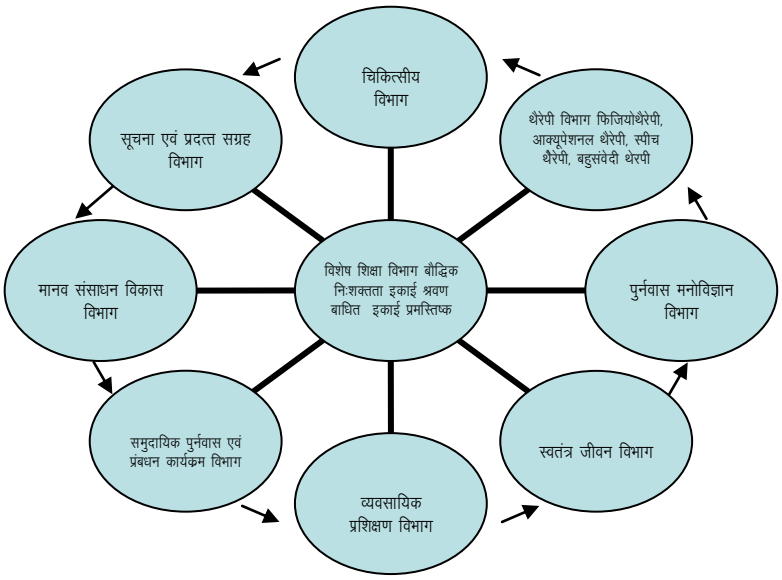

वर्ष 2018–19 में 73 नए केस पंजीकृत किए गए जिसमें से 60 बच्चों को संस्था में प्रवेश देकर पुर्नवास सेवाए प्रदान की गई ।

संस्था में वर्ष 2018–19 प्रतिदिन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विशेष बच्चों की संख्या – 216

क.	विवरण	वर्ष 2017 – 18 में विशेष बच्चों की संख्या	वर्ष 2018–19 में विशेष बच्चों की संख्या
1	बौद्धिक निःशक्तता	78	81
2	श्रवण बाधित	109	118
3	अस्थि बाधित	15	17
	कुल	202	216

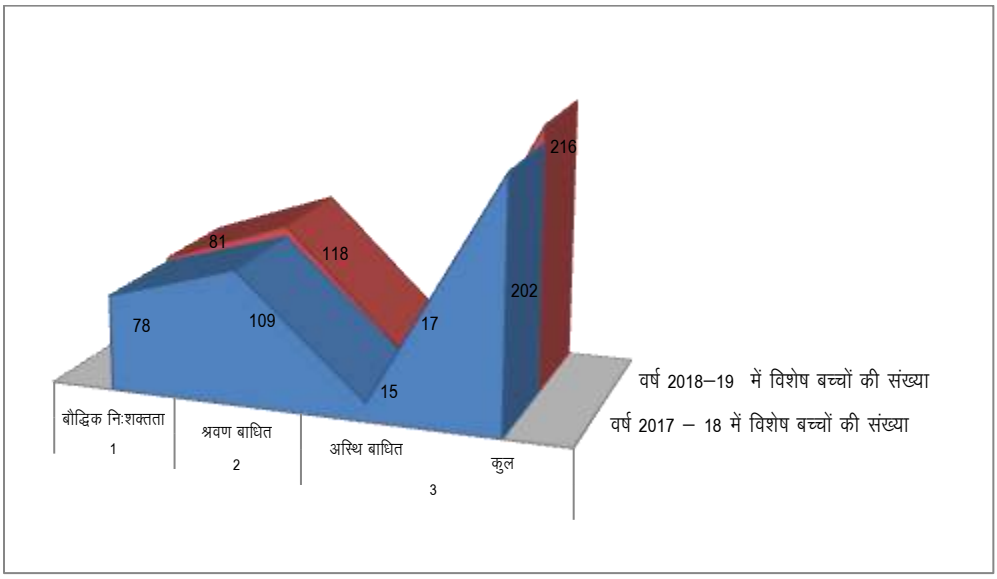

बौद्धिक निःशक्त बच्चों के लिए इकाई –

बौद्धिक निःशक्तता एक जीवन भर की स्थिति है। और इसका दवाईयों द्वारा इलाज नहीं है । अनुसंधान में यह बताया गया है कि सही तरह की सेवाओं/प्रशिक्षण द्वारा ही इसकी रोकथाम संभव है, जिससे बौद्धिक निःशक्तता व्यक्ति अपना जीवन स्वतंत्र रुप से गुजार सकता है। इनको दी जाने वाली सेवाएं है – स्वयं की देखभाल, प्रारंभिक हस्तक्षेप, शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसायिक प्रशिक्षण, रोजगार , अवकाश कालीन क्रियाकलाप।

बौद्धिक निःशक्त बच्चों का विभिन्न कौशल जैसे दैनिक जीवन के क्रियाकलाप , पठन लेखन कौशल, धन, समय संज्ञानात्मक कौशल में क्रियाकलाप के वर्तमान स्तर का मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन की सभी अवस्थाओं , व्यक्तिगत , शैक्षणिक कार्यक्रम के योजना एवं क्रियान्वन में अभिभावकों को सम्मलित किया जाता है। सीखने के लिए समुचित सहायता सामाग्री उपकरण/थैरेपी उपयोग में लाए जाते है। बौद्धिक निःशक्त बच्चों को विभिन्न रोजगार का प्रशिक्षण देकर रोजगार पर लगाया जाता है।

विशेष बच्चों हेतु Multisensory Therapy Unit भी है। जिसमें बौद्धिक निःशक्त बच्चे आटिस्टक एवं सेरवल पॉल्सी बच्चे बहुसंवेदी क्रिया कलापों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

बहुसंवेदी थेरपी कक्ष

श्रवण बाधित बच्चों के लिए इकाई –

श्रवण बाधित बच्चों को माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के पाठ्यक्रम के अनुसार उन्हें शैक्षणिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था में श्रवण बाधित बच्चों के लिए नर्सरी से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं संचालित है। श्रवण बाधित बच्चों को स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। साथ ही श्रवण बाधित बच्चों के शिक्षा हेतु पूर्ण सम्प्रेषण विधि एवं क्रियाकलाप आधारित शिक्षा (activity base learning) विधि का
प्रयोग किया जाता है।

वर्ष 2018–19 में दसवीं में 8 श्रवण बाधित बच्चों ने हायर सेकेड्री की परीक्षा द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की एवं 6 विशेष बच्चों ने कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की।

प्रमस्तिष्क पक्षपात बच्चों के लिए इकाई –

यह इकाई प्राथमिक कक्षा, माध्यमिक कक्षा और पूर्व व्यवसायिक कक्षा में विभाजित है। प्राथमिक कक्षा में बच्चों को क्रियात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें व्यक्तिगत , सामाजिक, प्रशासनिक व्यवसायिक और सृजनात्मक क्रियाएं मुख्य है। माध्यमिक कक्षा में पारिवारिक , प्रशासनिक एवं व्यवसायिक कुशलता के विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है। पूर्व व्यवसायिक कक्षा में संस्था में ही व्यवसायिक प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है।

सेरेबल पॉल्सी बच्चों हेतु शिक्षा

शैक्षणिक भ्रमण –

विशेष बच्चों को प्रत्यक्ष अनुभव का लाभ देने के लिए प्रतिमाह शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। शैक्षणिक भ्रमण पाठ्यक्रम की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। विशेष बच्चों के लिए क्रियाकलाप व मनोरंजन के माध्यम से सीखना, शिक्षा/प्रशिक्षण का सबसे अच्छा तरीका है। भ्रमण करने से बच्चों में शारीरिक व मानसिक विकास के साथ सामाजिक विकास एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। बौद्धिक निःशक्त बच्चों को पार्क, मंदिर, गुरूद्वारा, चर्च, होटल एवं श्रवण बाधित बच्चों को भी पार्क, मंदिर, गुरूद्वारा, चर्च बाजार, मॉल, रेस्टोरेन्ट, रेलवे स्टेशन, बैंक इत्यादि का भ्रमण कराया गया। भ्रमण को तीन भागो में बांटा गया। भ्रमण की तैयारी, भ्रमण एवं अनुवर्ती भ्रमण जिसमें बच्चों ने भ्रमण से सम्बंधित अपने अनुभवों को सबके साथ बांटा।

22 दिसम्बर 2018 को संस्था में दिव्यांग बच्चों को जबलपुर से 22 कि.मी. दूर चरगंवा रोड पर पाइन रिसोर्ट पर पिकनिक हेतु ले जाया गया। बच्चों ने वहां खूब झूले झूले व गेम्स खेले ।

पार्क में झूलों का आनंद लेते दिव्यांग बच्चे

4 दिसम्बर 2018 अंतर्राष्टीय विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में संस्था के दिव्यांग बच्चों द्वारा एक अवेयरनेस रैली सदर बाजार में निकाली गयी। सभी बच्चों और स्टाफ ने इस रैली में भाग लिया। दिव्यांगता अभिशप नहीं यह संदेश समाज को देने के उद्देश्य के साथ ये रैली निकाली गई।

विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में जनजागरूकता रैली

6 दिसम्बर 2018 को संस्था में दिव्यांग बच्चों को ग्वारीघाट नर्मदा नदी के तट पर ले जाकर प्रवासी पक्षियों को दिखाया गया और उनके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों ने पक्षियों को दाना भी खिलाया। पक्षियों का चहचहाना सुन और उनके बारे में जानकर बच्चे बहुत प्रसन्न हुए।

प्रवासी पक्षियों की जानकारी प्राप्त करते दिव्यांग बच्चें

30 मार्च 2019 को जस्टिस संस्था के सभी दिव्यांग बच्चों को पिक्चर हॉल ले जाकर मूवी मैजिक मॉल में प्रेरणादायक फिल्म केसरी दिखाई गई। भारत के वीर जवानों के वीरतापूर्ण इतिहास पर बनी फिल्म केसरी देखकर बच्चे बहुत खुश हुए। तंखा मेमोरियल द्वारा हमेशा ही दिव्यांग बच्चों को प्रेरणादायक फिल्मस दिखाई जाती है ताकि बच्चे इस से प्रेरणा ले सकें।

फिल्म केसरी का आनंद लेने जाते हुए दिव्यांग बच्चे

व्यावसायिक प्रशिक्षण –

दिव्यांग बच्चों की रूचि व प्रतिभा को पहचानने व ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समय का सदुपयोग करने के उद्देश्य से जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन एवं युवा कदम संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 15 दिवसीय समर कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें पहली बार सामान्य बच्चों और दिव्यांग बच्चों ने मिलकर नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला, माइम एवसं आर्ट एण्ड क्राफ्ट का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कैम्प का समापन 27 अप्रैल 2019 को शाला में किया गया। जिसमें दिव्यांग एवं सामान्य बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख पत्रकार श्री रविन्द्र वाजपेयी एवं विशिष्ट अतिथि श्री योगेश गनोरे रहे। शहर के कई गणमान्य नागरिको ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर दिव्यांग बच्चों की प्रस्तुतियों को उत्साहपूर्वक देखा एवं उनके द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की प्रशंसा की।

समर कैम्प 2019

11 अप्रैल 2018 से 13 अप्रैल 2018 तक संस्था में आर्ट एंड क्राफ्ट फेविकृल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में फेविक्रल कार्य की जानकारी प्रियंका शर्मा और नीतू शर्मा जी द्वारा बच्चों की नीयान वर्क, ज्वेलरी आर्ट इत्यादि विधाएं सिखाई गई।

नीयान वर्कशाप

जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर में संस्था के दिव्यांग बच्चों को रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर क्वीन की सेकेट्री हर्षित झंगियानी जो कि फैशन डिजाइनर है एवं सदस्यों के द्वारा एक वर्कशॉप करके बच्चों का राखी और ग्रीटिंग कार्ड्स बनाना सिखाया गया।

राखी मेकिंग वर्कशॉप

स्वत्रंता दिवस

15 अगस्त 2019 को हर्षउल्लास के साथ जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल में बच्चों ने रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर के सदस्यों के साथ मिलकर 72वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कर्नल ए.के. सिंह द्वारा संस्था प्रांगण में सुबह तिरंगा फहराया गया। राष्ट्रगान के बाद बच्चों ने पी टी एवं डांस की भी प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। जिसने अतिथियों का मन मोह लिया। पुनीता हांडा जी एवं शिखा हांडा जी द्वारा श्रीमती संतोष मारवाह जी की स्मृति में स्मार्ट क्लास हेतु टी.वी. और कम्प्यूटर डोनेट किया। जिसका उद्घाटन भी कर्नल सिंह द्वारा कर उसे स्कूल को समर्पित किया।

स्मार्ट क्लास का लोकापर्ण

जन्माष्टमी

31 अगस्त 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर के दिव्यांग बच्चों और ईडन किड्स केअर स्कूल के बच्चों ने रोटरी क्लब ऑफ क्वीन के सहयोग से जन्माष्टमी के उपलक्ष्य मे बेस्ट परिधान में सुसज्जित राधा ओर बेस्ट कृष्णा कम्पीटीशन में भाग लिया। अलग–अलग उम्र के बच्चों हेतु यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्पेशल बच्चों और सामान्य बच्चों की ये फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में उपस्थित जनो को हम किसी से कम नहीं का संदेश दिया।

जन्माष्टमी त्यौहार

रक्षाबंधन

26 अगस्त 2018 संस्था के दिव्यांग बच्चो ने राखी का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर बेस्ट भाई बहन जोड़ी का कम्पीटिशन रखा गया। मूक बधिर बच्चों का मेंहदी लगाओ प्रतियोगिता और 5 लाइन राखी के त्यौहार के विषय में लिखने और राखी से संबंधित सामग्री को फोटो से पहचानकर नाम लिखने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा विजेता बच्चों को पुरूस्कार भी दिए गए।

रक्षाबंधन त्यौहार

दीपावली त्यौहार

5 नवम्बर 2018 को संस्था के दिव्यांग बच्चों ने दीपावली बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाई। पहले संस्था के शिक्षको द्वारा दीपावली क्यों मनाते है बच्चों को बताया गया। फिर बच्चों से इस त्यौहार के बारे में उनके विचारों को जाना गया। दीपावली की पूजा के लिए रंगोली भी बच्चों द्वारा बनाई गई। पूजा आरती के बाद फाटाके जला कर बच्चों को फुलझडियों के पैकेट्स दिए गए। ब्राहमण महिला परिषद के सदस्यों द्वारा भी बच्चों के साथ फटाके जला कर दीपावली मनाई गई।

दीपावली मनाते दिव्यांग बच्चे

चिल्ड्रन डे

14 नवम्बर 2018 को संस्था के दिव्यांग बच्चों ने बड़े हर्षोउल्लास के साथ चिल्ड्रन डे मनाया। पहले शाला में ही डांस और कैट वॉक बच्चों द्वारा की गई। फिर छोटे बच्चों को गार्डन ले जाकर गेम्स खिलाकर प्राइज भी दिए गए। बेस्ट टिफिन और बेस्ट ड्रेस के भी पुरूस्कार दिए गए। श्रवण बाधित बच्चों को पिक्चर हॉल ले जाकर फिल्म ठगस ऑफ हिन्दुस्तान दिखाई गई।

बालदिवस का आयोजन

क्रिसमस

20 दिसम्बर 2018 को शाला में दिव्यांग बच्चों ने बड़ी धूमधाम से क्रिसमस का त्यौहार रोटरी क्लब जबलपुर क्वीन के मेम्बर्स के साथ मनाया। बच्चों को सांता क्लॉज ने चॉकलेट्स और गिफ्ट्स बांटे। टीचर रोमा द्वारा बच्चों को इस त्यौहार के बारे में और जीसस के बारे में जानकारियां दी गई।

क्रिसमस का आयोजन

बसंत पंचमी

12 फरवरी 2019 को शाला में दिव्यांग बच्चों के साथ स्टॉफ ने बसंतपंचमी का त्यौहार मनाया। उन्हें बसंत पंचमी के महत्व के बारे में बताया गया। पहले मॉ सरस्वती जी की विधिवत पूजा अर्चना की गई। फिर भोग लगाकर बच्चों को संस्था में ही बनाई गई पौष्टिक खिचड़ी खिलाई गयी। सभी टीचर्स ने पीले कपड़े पहन कर बसंतपंचमी की शोभा बढ़ा दी।

सरस्वती पूजा

होली

20 मार्च 2019 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के बच्चों के लिये स्पेशल दिन था। संस्था में होली का त्यौहार बड़े ही उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। संस्था में होलिका स्थापित की गई थी। जिसका अग्नि में प्रहलाद जी को बचाते हुए दहन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश बच्चों को दिया गया। रोटरी क्लब क्वीन के सदस्यों द्वारा भी बच्चों के साथ होली मनाई गई। बच्चों ने डांस किया, गुलाल लगाया। जाइंट्स ग्रुप जबलपुर के सदस्यों ने उनके अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र पटेल जी. के. एवं सदस्यों ने भी बच्चों को होली की टोपियां वितरित कर बच्चों के साथ होली मनाई।

होली

वर्ल्ड डाऊन सिंड्रोम डे

19 मार्च 2019 को शाला में अध्ययनरत डाउन सिंड्रोम बच्चों के साथ वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे मनाया गया। सेना के वीर जवानों को श्रधांजलि देने हेतु कुछ बच्चों ने सेना की यूनिफार्म पहनकर समाज को संदेश दिया कि हम भी किसी से कम नही ंहम मैं भी देश प्रेम का जज्बा है। बच्चों को समदड़िया मॉल ले जाकर डाउन सिंड्रोम बच्चों के बारे में लोगो को जागरूक किया गया डाऊन सिड्रोम व्यक्तियों के बारे में जागरूकता लाई गई। मिलेट्री की ड्रेस पहने उन बच्चों से वहा मौजूद लोगो ने हाथ मिलाने हेतु इक्छुक हुए।

विश्व सांकेतिक दिवस

विश्व सांकेतिक दिवस

शाला के मूक बधिर स्टूडेन्ट्स ने विश्व सांकेतिक भाषा दिवस के उपलक्ष्य में सांकेतिक भाषा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिविल लाईन ले जाकर सामान्य बच्चो के साथ प्रार्थना कर सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान गाया। उसके बाद उनके क्लास रूम में जाकर आपसी बातचीत करने के तरीके बताकर उनसे मित्रता भी की। उन बच्चों ने हमारे बच्चों से कई प्रश्न पूछे जिसका दिव्यांग बच्चों ने सांकेतिक भाषा में जवाब भी दिया। सांकतिक भाषा क्या है उसका महत्व क्या है इसके बार मं विशेष शिक्षिकाएँ श्रीमती उषा सिंह, श्रीमती आरती गुप्ता एवं श्रीमती बेबी रोशन ने सामान्य बच्चों को समझाकर उनसे बच्चों की बातें करवाई।

विश्व बधिर दिवस

विश्व बधिर सप्ताह कार्यक्रम तीन चरणों में संपन्न हुआ। पहले पेरेन्ट्स ने अपने बच्चों के अनुभव और शाला के योगदान पर अपने विचार रखे। उसके बाद रोटरी क्लब क्वीन की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव द्वारा संस्था के दिव्यांग बच्चों का रोटरी इंटरनेशनल द्वारा चलित बच्चों का इंटरेक्ट क्लब बनाया। बच्चों की इंटरेक्ट की मेम्बरशिप के बैच लगाकर मेम्बरशिप प्रदान की गई। पुनीत हांडा द्वारा इंटरेक्ट क्लब की जानकारी दी गयी। महासचिव बलदीप मैनी द्वारा पेरेंन्ट्स को संस्था में अपने विश्वास के लिये धन्यवाद देते हुए टीचर्स को उनक समर्पण हेतु भी धन्यवाद दिया और अपने अनुभवों को बताया। बच्चों द्वारा वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर हार्ट से संबंधित पोस्टर बनाकर डिस्प्ले किये गये। विजेता बच्चों को पुरूस्कार दिए गये। प्राचार्या कोयली सेन द्वारा बधिर लोगों द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी।

विश्व बधिर दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंटरनेशनल वीमेन दिवस के उपलक्ष्य में मानस भवन में अमर विकलांग और पुनर्वास केन्द्र द्वारा दिव्यांग हीरोज 2019 का आयोजन किया गया। जिसमें भारत वर्ष से 180 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। जिन्होंने फ़ैशन शो में भाग लेकर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री लखन घनघोरिया सामाजिक न्याय मंत्री मध्यप्रदेश थे। जहां पर समाज सेवा के कार्यो के कारण संस्था के महासचिव श्री बलदीप मैनी जी को सम्मानित किया गया। वहीं शाला प्राचार्या श्रीमती कोयली सेन का भी सम्मान किया गया। जस्टिस तन्खा मेमोरियल स्कूल के 25 दिव्यांग बच्चों ने शिक्षिका आरती गुप्ता, सुनीता रजक, संगीता, तरनजीत के नेतृत्व में डांस की प्रस्तुतियां दे कर दर्शकों का मन मोह लिया।

गौरव के क्षण

दिव्यांग हीरोज 2019 में भाग लेते संस्था के बच्चे

शिविर/बैठक

जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट में 22 जुलाई 2018 को नया सेशन प्रारंभ होने पर पेरेन्ट्स टीचर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। यह मीटिंग 6वीं से 12वीं तक के श्रवण बधित बच्चों के पेरेन्ट्स के लिए रखी गयी । जिसमें निम्नलिखित पॉइंटस पर चर्चा की गई।

1. बच्चों की पढ़ाई से संबंधित प्रश्न।
2. बच्चों में भाषा का विस्तार।
3. स्कूल आते समय सफाई का ध्यान रखना।
4. पलकों के सुझाव और उनकी समस्याएं।

अभिभावक बैठक

सभी पालको से फीड बैक फॉर्म भी भराए गए। सभी टीचर्स ने ग्रुप परिचर्चा में भाग लिया।

1 अगस्त 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट में इंडिविजुअल एजुकेशन विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस हेतु विषय विशेषज्ञ श्रीमती अर्पिता कासवा, प्राचार्या आशा आर्मी स्कूल, जबलपुर द्वारा शाला की शिक्षिकाओं एव ंबी.एड. प्रशिक्षणार्थीयों को बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों हेतु IEP का निर्माण एवं महत्व बताया।

विशेष शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम

27 सितम्बर 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के मूक बधिर बच्चों को इंटरनेशनल डेफ वीक के अंतर्गत कैरियर गाइडेंस के लिए लॉ मे कैरियर बनाने हेतु क्लेट के बारे में हर्षदीप सिंह बंटी और विक्रमादित्य संघी जो की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी भोपाल के छात्र है और आईडिया (Increasing diversioty by increasing access) एम.पी. चैप्टर से हैं के द्वारा निःशुल्क दिया गया। हाई स्कूल के हमारे दिव्यांग बच्चों द्वारा उनसे प्रश्न कर जानकारियां ली गई। सभी टीचर्स का सहयोग इस प्रोग्राम को करने में रहा।

कैरियर गाईड्स कार्यक्रम

स्वास्थ्य परीक्षण

23 जुलाई 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर में ब्रहिमण महिला परिषद द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर्स द्वारा बच्चों और स्टॉफ का हीमोग्लोबिन टेस्ट करवाया गया। साथ में बरसात के मौसम में बच्चों को बीमारियों से बचाव के तरीके बताए गए।

स्वास्थ परीक्षण

सहयोग – DONATE TODAY FOR BETTER FUTURE

25 जुलाई 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर में इनर व्हील क्लब जबलपुर के सहयोग से रोटेरियन सुखवर्षा सहगल जी द्वारा 30 दिव्यांग गरीब बच्चों को कॉपी किताबों का वितरण किया गया। श्री बलदीप मैनी द्वारा सभी का स्वागत करते हुए इस महतवपूर्ण योगदान हेतु उन्हें धन्यवाद दिया।

दिव्यांग बच्चों को कॉपी किताब का वितरण

13 अगस्त 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर के 140 दिव्यांग बच्चों को श्री अभिषेक चौकसे चिंटू उपाध्याय कैंट बोर्ड जबलपुर द्वारा स्कूल बैग्स उपहार स्वरूप दिए गए। श्री बलदीप मैनी द्वारा इस पुनीत कार्य हेतु श्री चिंटू चौकसे जी को धन्यवाद दिया गया।

स्कूल बैग्स का वितरण

13 अगस्त 2018 को माननीय विवेक कृष्ण तन्खा जी द्वारा जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल में दिव्यांग बच्चों हेतु एक नई बस को डोनट किया। बस को प्राप्त कर स्कूल के बच्चों और बच्चों ने खुशी जताते हुए श्री तंखा जी को इस नई बस हेतु धन्यवाद देते हुए उनके व परिवार के स्वस्थ्य जीवन की कामना की।

बस का लोकापर्ण

प्रतियोगिता

5 अगस्त 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर में संस्था के दिव्यांग बच्चों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन रोटरी क्लब जबलपुर द्वारा किया गया। इसमें बच्चां को मेंहदी लगाना, पर्यावरण पर चित्रकारी बनाना, रंगोली बनाना और राखी बनाना शामिल थे। संस्था महासचिव श्री बलदीप मैनी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस आयोजन में रोटरी प्रेसिंडेंट श्रीमती रचना त्रिवेदी और सचिव लोकेश चौबे द्वारा बच्चों को प्रतियोगिता हेतु सामग्री प्रदान की गयी। डॉक्टर श्रीमती जैन और प्राचार्या श्रीमती कोयली सेन द्वारा विजेताओं का निर्णय किया गया। रोटरी क्लब

द्वारा बच्चों को पुरूस्कार भी प्रदान किये गए और सभी बच्चों को सर्टिफिकेट भी दिए गए। रोटरी क्लब द्वारा किये गये इस आयोजन से बच्चों को अपने हुनर को प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

प्रतियोगिताओं का आयोजन

शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था की शिक्षकों का संस्था व दिव्यांग बच्चों द्वारा तिलक व श्रीफल देकर सम्मान किया गया एवं दिव्यांग बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम पस्तुत किया गया।

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शाला की प्राचार्या श्रीमती कोयली सेन का सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रो0 कपिल देव मिश्रा रहे।

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर 2018 को संस्था में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों की कविता पाठ और सुलेख लेखन प्रतियोगिता रखी गयी। जिमसें संस्था के दिव्यांग बच्चों ने भाग लेकर हिन्दी के महत्व को जाना। दिव्यांग बच्चों को शिक्षकाओं द्वारा हिन्दी दिवस के बारे में जानकारियां दी गई।

19 सितम्बर 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के बच्चों का पर्यावरण से संबंधित ड्राइंग कम्पीटिशन जायंट ग्रुप ऑफ जबलपुर द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत कराया गया। जिसमें 6वीं से 12वीं तक के दिव्यांग बच्चों ने भाग लेकर बहुत ही सुन्दर पेन्टिग्स बनाई। विजेता बच्चों को नगद पुरूस्कार एवं खिलौने पुरूस्कार में दिए गए। इसके पहले संस्था द्वारा 21 फलदार पौधे भी स्कूल को प्रदान किये गये जिन्हे संस्था के प्रगांण में बच्चों द्वारा रौपा गया। श्री बलदीप मैनी द्वारा सभी उपस्थित जायंट सदस्यों को धन्यवाद दिया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता

जागरूकता

11 अक्टूबर 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के दिव्यांग बचचों ने ईडन किड्स स्कूल, रोटरी क्लब जबलपुर क्वीन के मैम्बर्स के साथ कदम संस्था के सदस्यों ने मिलकर पर्यावरण बचाओ एवं प्लास्टिक को कहें

जगरूकता रैली

ना और पेड़ लगाने जैसे नारो के साथ एक रैली निकाली गई। इस रैली ने करीब 3 किलोमीटर का रास्त मदन महल के शक्तिनगर इलाके में तय किया। कृपालचौक में कदम के युवा साथियों द्वारा सफाई के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक द्वारा नागरिकों को जाग्रत किया गया। रैली का स्वागत जगह–जगह नागरिको द्वारा किया गया।

13 अक्टूबर 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के दिव्यांग बच्चों को नेवी के रिटायर्ड कैप्टेन और मोटिवेटर श्री सुनील भारद्वाज जी द्वारा बच्चों को स्लाइड, वीडियों और स्पीच के द्वारा लीडरशिप क्वालिटी और पर्सनालिटी डेवलपमेंट कैसे किया जाए पर आयोजित सेमीनार से शिक्षित किया गया।

पर्सनालिटी डेवलेपमेंट कार्यक्रम

13 अक्टूबर 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के दिव्यांग बच्चों को अच्छे संस्कार देने के उद्देश्य से नई दुनिया न्यूज़ पेपर द्वारा चलाये जा रहे गुरूकुल शिक्षा के द्वारा संपूर्ण शिक्षा के अंतर्गत डांस के माध्यम से प्रेरणादायक कहानी सुनाओ और समझाओ में श्रीमती शैली धोपे द्वारा डांस के माध्यम से कहानी सुनाई

और सिखाई गयी। ताकि बच्चे अच्छी बातें सीख सकें। इसका उद्देश्य है कि बच्चे कहानी के माध्यम से अच्छे संस्कार सीख सकें।

सुगम सप्ताह कार्यक्रम

23 अक्टूबर 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के कक्षा 12वीं के 35 दिव्यांग बच्चों ने नगर निगम द्वारा आयोजित सुगम सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह भंवरताल उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य इन दिव्यांग बच्चों को मतदान हेतु प्रोत्याहित करना और आग्रह पत्र भरकर पलकों और परिचितों को भी मतदान हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम का उद्देश्य सभी 18 वर्ष से ऊपर के नागरिको को मतदान करने हेतु प्रेरित इन बच्चों के माध्यम से करना था।

सुगम सप्ताह कार्यक्रम

शिक्षक उन्मुखीकरण

शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत "Anatomy and Physiology of Ear" विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। डॉक्टर विशाल मेहरा जो कि कांसल्टिंग ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट हैं, ने बडे प्रभावशाली ढंग से इस विषय पर शिक्षको को जानकारियां दी।

फन डे – एक सुबह तैराकी के नाम

दिव्यांग बच्चों को 17 अप्रैल 2018 भंवरताल स्थित स्वीमिंग पूल ले जाकर उन्हें तैराकी करा मनोरंजन कराया गया। उन्हें तैराकी के प्रशिक्षकों द्वारा तैराकी भी सिखाई गई। जबलपुर नगर पालिक निगम कमिश्नर श्री वेद प्रकाश जी के सहयोग से इस पूल डे को महा सचिव श्री बलदीप सिंह मैनी द्वारा आयोजित किया गया। प्राचार्या श्रीमती कोयली सेन और सभी शिक्षकाओं का सहयोग रहा। बच्चों ने पहली बार स्विमिंग पूल में उतरकर एन्जॉय किया। बच्चों ने श्री वेद प्रकाश जी को इस पूल डे के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए उनके लिए प्रार्थना भी की।

फन डे
एक सुबह तैराकी के नाम

मानव संसाधन विकास –

मानव संसाधन विकास का अत्यंत महत्वपूर्ण उद्देश्य सामर्थ्य का विकास करना है। समाज के और व्यक्तिगत हितार्थ के ज्ञान, कुशलताएँ, अभिवृति तथा क्षमताओं की निरन्तर वृद्धि के लिए संस्थान की नीति एवं कार्यक्रमों की रूप रेखा बनाई गई।

मानव संसाधन विकास के अन्तर्गत मुख्य गतिविधियाँ दीर्घावधि पाठ्यक्रम, अल्पाधि पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यशालाओं तथा व्यवसायिक सांस्कृति ग्रहण के लिए निरन्तर शिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करना है। विकलांगता के क्षेत्र में जागरूकता पैदा करना व जनशक्ति का विकास करना है।

मानव संसाधन विकास का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र दिव्यांगजनो के पुर्नवास के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना एवं जनशक्ति का विकास करना है।

मानव संसाधन विकास की प्रोन्नति के लिए संस्थान में म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय एवं भारतीय पुर्नवास परिषद् द्वारा अनुमोदित 2 दीर्घ अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (01 स्नातक पाठ्यक्रम 01 डिप्लोमा पाठ्यक्रम) का संचालन किया जाता है। इस पाठ्यक्रम के संचालन का लक्ष्य श्रवण बाधित लोगों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए व्यवसायिक का विकास करना है।

वर्ष 2018–19 प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि (वर्ष)	सम्बद्ध विश्व विद्यालय	प्रवेश की क्षमता	प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षणार्थी की संख्या
1	बी.एड. स्पेशल एजुकेशन (श्रवण बाधित)	02	म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल	40	25 (2016–18) 37 (2017–19) 41 (2018–20)
2	पी.जी. डिप्लोमा (श्रवण बाधित)	01	म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल	40	इस वर्ष म.प्र. भोज वि.वि. भोपाल द्वारा प्रवेश की प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

संस्था में बी.एड. विशेष शिक्षा (श्रवण बाधित) प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष का पणिाम 85% रहा।

बी.एड. विशेष शिक्षा (श्रवण बाधित) प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थी द्वारा समुदाय आधारित पुर्नवास कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम सालीवाडा में सवेक्षण कार्य किया गया। दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उनके अभिभावको को दिव्यांग बच्चों की देखभाल, प्रशिक्षण, चिकित्सीय पुर्नवास सम्बंधी सुझाव दिए गए एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगों को प्राप्त उपकरणों के रखरखाव की जानकारी दी गई।

वाश इन स्कूल कार्यक्रम

Rotary India के wins **(Wash In School)** कार्यक्रम के अंतर्गतम रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर द्वारा स्वच्छता को जागरूक करने हेतु हाथ धोने का वाश बेसिन लगाया गया एवं बच्चों को यह शपथ दिलाई गई की हर बच्चा हाथ धोकर ही भोजन करे। जिससे बच्चे बीमार न पड़े साथ ही स्कूल की छात्राओं हेतु सेनटरी पैड वेडिंग मशनी का भी लोकापर्ण किया गया। इस कार्यक्रम में ममुख अतिथि राज्य सभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

क्रियाकलाप आधारित शिक्षा कार्यक्रम

NEWS

जन जागरूकता के लिए बढ़े कदम

जस्टिस तन्खा मेमोरियल स्पेशल स्कूल के बच्चों ने लिया हिस्सा, मिले पुरस्कार

सिटी रिपोर्टर,जबलपुर| दिव्यांगजनों के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के लिए विश्व विकलांग दिवस पर रैली का आयोजन हुआ। जस्टिस तन्खा मेमोरियल स्पेशल स्कूल एवं रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर क्वीन के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में 150 दिव्यांगजन शामिल हुए। रैली के बाद मेहंदी, रांगोली, चित्रकला, बाधा दौड़, सॉफ्ट बॉल थ्रो जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया। क्लब अध्यक्ष एवं सचिव हर्षिता जागयानी द्वारा विजेता बच्चों को पुरस्कार दिए गए। संस्था सचिव बलदीप मैनी एवं प्राचार्य श्रीमती कोयली सेन ने दिवस के इतिहास के बारे में बताया। कार्यक्रम में हेम कुमार साहू समेत शिक्षकों का सहयोग रहा। पी-5

Justice Tankha Memorial Rotary Institute observes Down Syndrome Day

The children, who won the awards in competition.

■ Staff Reporter

THE Down Syndrome Day was observed by Justice Tankha Memorial Rotary Institute for Special Children on March 21.

The day was celebrated on theme 'what I bring to my community'. The institute organised many funny games for the children on the occasion and children won many awards in competition.

The secretary Baldep Maini said that when we concentrate towards the physical disability of any person we overlook his capacity, beauty and specialities. Once you accept them you start loving them unconditionally and recognise their skill. Downs syndrome victim children may look different but they have the same childhood and intelligence. They might take longer time to learn something but it is unjust to underestimate them. Principal Koyali Sen and teachers were also present on the occasion.

क्षमताओं, सुन्दरता और विशिष्टता की न करें अनदेखी

जबलपुर| जब आप किसी की विकलांगता पर ध्यान देते हैं, तो आप उनकी क्षमताओं, सुन्दरता और विशिष्टता की अनदेखी करते हैं । वहीं अगर आप उन्हें प्यार करते हैं, तो आप बिना शर्त उन्हें स्वीकार करते हो। उक्त विचार जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन में वर्ल्ड डाउन सिड्रोम डे पर आयोजित प्रतियोगिता में संस्था सचिव बलदीप मैनी ने व्यक्त किए। इस अवसर पर बताया गया कि इस वर्ष दुनिया में 'वॉट आई ब्रिन्ग टू माय कम्युनिटी' थीम पर डे मनाया गया। संस्था में वर्ल्ड डाउन सिड्रोम बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर पुरस्कार जीते। इस दौरान प्राचार्य श्रीमती कोयली सेन आदि शिक्षकों की उपस्थिति रही। पी-5

पायलट बनकर सपनों की उड़ान भरने की चाहत

Justice Tankha Memorial Rotary Institute holds grand event on World Disability Day

■ Staff Reporter

JUSTICE Tankha Memorial Rotary Institute for Special Children organised a grand programme on the occasion of World Disability Day.

Simultaneously, a massive awareness rally was taken out under joint banner of Justice Tankha Memorial Rotary Institute for Special Children and Rotary Club of Jabalpur Queen from Pentinaka, Sadar.

The rally was attended by more than 150 specially-abled children. Later, Rotary Club of Jabalpur Queens organised mehendi, rangoli, drawing, hurdle race, softball throw and other competitions. Differently-abled children enthusiastically participated in these competitions and made all efforts to win them.

President, Rotary Club Queen, Priyanka Shrivastava and Secretary Harshita Jagyani presented prizes to winners. Institute Secretary Baldeep Maini and Principal Koyali Sen explained children regarding significance of World Disability Day. All the teachers from Justice Tankha Memorial rendered their support to make the programme a grand success.

Office-bearers of Justice Tankha Memorial and Rotary Club Queen leading an awareness rally.

DOLL ROOM

FUN TIME

ACTIVITIES PERFORMED RELATED TO THE NATIONAL TRUST DISABILITIES YEAR - 2018-19

परिचय

जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्डन स्कूल विगत 22 वर्षो से दिव्यांग बच्चों क समग्र पुर्नवास हेतु प्रयासरत है।

संस्था में उपलबध सुविधाएँ–

1. शीघ्र पहचान ।
2. विशेष शिक्षा ।
3. प्रारंम्भिक मध्यस्थता सेवांए ।
4. समावेशित शिक्षा ।
5. वाक् श्रवण मूल्यांकन एवं प्रशिक्षण।
6. मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं परामर्श।
7. सामाजिक पुर्नवास एवं गृह आधारित सेवा ।
8. व्यवहार परिवर्तन एवं प्रबंधन।
9. मार्गदर्शन एवं परामर्श ।
10. व्यवसायिक प्रशिक्षण ।
11. समुदाय आधारित पुर्नवास ।
12. समूह क्रियाकलाप ।
13. व्यवसायिक एवं भौतिक चिकित्सा।
14. संसाधन कक्ष ।

शैक्षणिक भ्रमण

संस्था द्वारा विशेष बच्चों को प्रत्यक्ष लाभ का अनुभव देने हेतु प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। बौद्धिक निःशक्त बच्चों को पार्क, मंदिर, गुरूद्वारा, चर्च, होटल एवं श्रवण बाधित बच्चों को भी पार्क, मंदिर, गुरूद्वारा, चर्च बाजार, मॉल, रेस्टोरेन्ट, रेलवे स्टेशन, बैंक इत्यादि का भ्रमण कराया गया। भ्रमण को तीन भागो में बांटा गया। भ्रमण की तैयारी, भ्रमण एवं अनुवर्ती भ्रमण जिसमें बच्चों ने भ्रमण से सम्बंधित अपने अनुभवों को सबके साथ बांटा।

3 दिसम्बर 2018 को विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा एक जनजागरूकता रैली निकाली गई। जिसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चे किसी से कम नहीं ये जनमानस को बताना है।

व्यावसायिक प्रशिक्षण –

बौद्धिक निःशक्त एवं सी.पी. बच्चे की रूचि व प्रतिभा को पहचानने व ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समय का सदुपयोग करने के उद्देश्य से जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन एवं युवा कदम संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 15 दिवसीय समर कैम्प 10 अप्रैल से 27 अप्रैल तक का आयोजन किया गया। जिसमें पहली बार सामान्य बच्चों और दिव्यांग बच्चों ने मिलकर नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला, माइम एवसं आर्ट एण्ड क्राफ्ट का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कैम्प का समापन 18 अप्रैल 2019 को शाला में किया गया। जिसमें दिव्यांग एवं सामान्य बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख पत्रकार श्री रविन्द्र वाजपेयी एवं विशिष्ट अतिथि श्री योगेश गनोरे रहे। शहर के कई गणमान्य नागरिको ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर दिव्यांग बच्चों की प्रस्तुतियों को उत्साहपूर्वक देखा एवं उनके द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की प्रशंसा की।

10 अगस्त 2018 को संस्था के बौद्धिक निःशक्त बच्चों को रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर क्वीन की सेकेट्री हर्षित झंगियानी जो कि फैशन डिजाइनर है एवं सदस्यों के द्वारा एक वर्कशॉप करके बच्चों का राखी और ग्रीटिंग कार्ड्स बनाना सिखाया गया।

स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त 2018 को हर्षउल्लास के साथ जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल में बौद्धिक निःशक्त एवं सी.पी. बच्चों ने रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर के सदस्यों के साथ मिलकर 72वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कर्नल ए.के. सिंह द्वारा संस्था प्रांगण में सुबह तिरंगा फहराया गया। राष्ट्रगान के बाद बच्चों ने पी टी एवं डांस की भी प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। जिसने अतिथियों का मन मोह लिया। पुनीता हांडा जी एवं शिखा हांडा जी द्वारा श्रीमती संतोष मारवाह जी की स्मृति में स्मार्ट क्लास हेतु टी.वी. और कम्प्यूटर डोनेट किया। जिसका उद्घाटन भी कर्नल सिंह द्वारा कर उसे स्कूल को समर्पित किया।

जन्माष्टमी

31 अगस्त 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर के दिव्यांग बच्चों और ईडन किड्स केअर स्कूल के बच्चों ने रोटरी क्लब ऑफ क्वीन के सहयोग से जन्माष्टमी के उपलक्ष्य मे बेस्ट परिधान में सुसज्जित राधा ओर बेस्ट कृष्णा कम्पीटीशन में भाग लिया। अलग–अलग उम्र के बच्चों हेतु यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। बौद्धिक निःशक्त बच्चों और सामान्य बच्चों की ये फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में उपस्थित जनो को हम किसी से कम नहीं का संदेश दिया।

रक्षाबंधन

26 अगस्त 2018 संस्था के बौद्धिक निःशक्त सी.पी. एवं ऑटिज्म ने राखी का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर बेस्ट भाई बहन जोड़ी का कम्पीटिशन रखा गया।

दीपावली त्यौहार

5 नवम्बर 2018 को संस्था के बौद्धिक निःशक्त एवं सी.पी. बच्चों ने दीपावली बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाई। पहले संस्था के शिक्षको द्वारा दीपावली क्यों मनाते है बच्चों को बताया गया। फिर बच्चों से इस त्यौहार के बारे में उनके विचारों को जाना गया। दीपावली की पूजा के लिए रंगोली भी बच्चों द्वारा बनाई गई। पूजा आरती के बाद फाटाके जला कर बच्चों को फुलझडियों के पैकेट्स दिए गए। ब्राहमण महिला परिषद के सदस्यों द्वारा भी बच्चों के साथ फटाके जला कर दीपावली मनाई गई।

वर्ल्ड डाऊन सिंड्रोम डे

19 मार्च 2019 को शाला में अध्ययनरत डाउन सिंड्रोम बच्चों के साथ वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे मनाया गया। सेना के वीर जवानों को श्रधांजलि देने हेतु कुछ बच्चों ने सेना की यूनिफार्म पहनकर समाज को संदेश दिया कि हम भी किसी से कम नही हम मैं भी देश प्रेम का जज्बा है। बच्चों को समदड़िया मॉल ले जाकर डाउन सिंड्रोम बच्चों के बारे में लोगो को जागरूक किया गया डाऊन सिड्रोम व्यक्तियों के बारे में जागरूकता लाई गई। मिलेट्री की ड्रेस पहने उन बच्चों से वहा मौजूद लोगो ने हाथ मिलाने हेतु इक्छुक हुए। इसमें संस्था के 18 ड्राऊन सिड्रोम बच्चों ने भाग लिया।

शिविर/बैठक

जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट में 22 जुलाई 2018 को नया सेशन प्रारंभ होने पर पेरेन्ट्स टीचर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें बौद्धिक निःशक्त, सी.पी. ऑटिज्म बच्चो के अभिभावकों से प्त्च का निर्माण, थेरपी से सम्बंधित बातों पर चर्चा की गई जिसमें 25 अभिभावक लाभान्वित हुए।

1. बच्चों में भाषा का विस्तार।
2. स्कूल आते समय सफाई का ध्यान रखना।
3. पलकों के सुझाव और उनकी समस्याएं।

प्रतियोगिता

5 अगस्त 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन जबलपुर में संस्था के बौद्धिक निःशक्त बच्चों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन रोटरी क्लब जबलपुर द्वारा किया गया। इसमें बच्चां को मेंहदी लगाना, पर्यावरण पर चित्रकारी बनाना, रंगोली बनाना और राखी बनाना शामिल थे। संस्था महासचिव श्री बलदीप मैनी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस आयोजन में रोटरी प्रेसिंडेंट श्रीमती रचना त्रिवेदी और सचिव लोकेश चौबे द्वारा बच्चों को प्रतियोगिता हेतु सामग्री प्रदान की गयी। डॉक्टर श्रीमती जैन और प्राचार्या श्रीमती कोयली सेन द्वारा विजेताओं का निर्णय किया गया।

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर 2018 को संस्था में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों की कविता पाठ और सुलेख लेखन प्रतियोगिता रखी गयी। जिमसें संस्था के सी.पी. बच्चों ने भाग लेकर हिन्दी के महत्व को जाना। दिव्यांग बच्चों को शिक्षकाओं द्वारा हिन्दी दिवस के बारे में जानकारियां दी गई। संस्था के 18 बौद्धिक निःशक्त व सी.पी. बच्चों ने भाग लिया।

13 अक्टूबर 2018 को जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इन्सीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के बौद्धिक निःशक्त बच्चों को अच्छे संस्कार देने के उद्देश्य से नई दुनिया न्यूज़ पेपर द्वारा चलाये जा रहे गुरूकुल शिक्षा के द्वारा संपूर्ण शिक्षा के अंतर्गत डांस के माध्यम से प्रेरणादायक कहानी सुनाओ और समझाओ में श्रीमती शैली धोपे द्वारा डांस के माध्यम से कहानी सुनाई और सिखाई गयी। ताकि बच्चे अच्छी बातें सीख सकें। इसका उद्देश्य है कि बच्चे कहानी के माध्यम से अच्छे संस्कार सीख सकें।

क्रियाकलाप आधारित शिक्षा कार्यक्रम

बौद्धिक निःशक्त, सी.पी. एवं ऑटिज्म बच्चों को क्रियाकलपा आधारित शिक्षा द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है।

NE

जन जागरूकता के लिए बढ़े कदम

जस्टिस तन्खा मेमोरियल स्पेशल स्कूल के बच्चों ने लिया हिस्सा, मिले पुरस्कार

सिटी रिपोर्टर,जबलपुर| दिव्यांगजनों के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के लिए विश्व विकलांग दिवस पर रैली का आयोजन हुआ। जस्टिस तन्खा मेमोरियल स्पेशल स्कूल एवं रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर क्वीन के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में 150 दिव्यांगजन शामिल हुए। रैली के बाद मेहंदी, रांगोली, चित्रकला, बाधा दौड़, सॉफ्ट बॉल थ्रो जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया। क्लब अध्यक्ष एवं सचिव हर्षिता जागयानी द्वारा विजेता बच्चों को पुरस्कार दिए गए। संस्था सचिव बलदीप मैनी एवं प्राचार्य श्रीमती कोयली सेन ने दिवस के इतिहास के बारे में बताया। कार्यक्रम में हेम कुमार साहू समेत शिक्षकों का सहयोग रहा। पी-5

Justice Tankha Memorial Rotary Institute observes Down Syndrome Day

■ Staff Reporter

The children, who won the awards in competition.

THE Down Syndrome Day was observed by Justice Tankha Memorial Rotary Institute for Special Children on March 21.

The day was celebrated on theme 'what I bring to my community'. The institute organised many funny games for the children on the occasion and children won many awards in competition.

The secretary Baldeep Maini said that when we concentrate towards the physical disability of any person we overlook his capacity, beauty and specialities. Once you accept them you start loving them unconditionally and recognise their skill. Downs syndrome victim children may look different but they have the same childhood and intelligence. They might take longer time to learn something but it is unjust to underestimate them. Principal Koyali Sen and teachers were also present on the occasion.

क्षमताओं, सुन्दरता और विशिष्टता की न करें अनदेखी

जबलपुर| जब आप किसी की विकलांगता पर ध्यान देते हैं, तो आप उनकी क्षमताओं, सुन्दरता और विशिष्टता की अनदेखी करते हैं । वहीं अगर आप उन्हें प्यार करते हैं, तो आप बिना शर्त उन्हें स्वीकार करते हो। उक्त विचार जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन में वर्ल्ड डाउन सिड्रोम डे पर आयोजित प्रतियोगिता में संस्था सचिव बलदीप मैनी ने व्यक्त किए। इस अवसर पर बताया गया कि इस वर्ष दुनिया में 'वॉट आई ब्रिन्ग टू माय कम्युनिटी' थीम पर डे मनाया गया। संस्था में वर्ल्ड डाउन सिड्रोम बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर पुरस्कार जीते। इस दौरान प्राचार्य श्रीमती कोयली सेन आदि शिक्षकों की उपस्थिति रही। पी-5

Justice Tankha Memorial Rotary Institute holds grand event on World Disability Day

■ Staff Reporter

Office-bearers of Justice Tankha Memorial and Rotary Club Queen leading an awareness rally.

JUSTICE Tankha Memorial Rotary Institute for Special Children organised a grand programme on the occasion of World Disability Day.

Simultaneously, a massive awareness rally was taken out under joint banner of Justice Tankha Memorial Rotary Institute for Special Children and Rotary Club of Jabalpur Queen from Pentiraka, Sadar.

The rally was attended by more than 150 specially-abled children. Later, Rotary Club of Jabalpur Queens organised mehendi, rangoli, drawing, hurdle race, soft-ball throw and other competitions. Differently-abled children enthusiastically participated in these competitions and made all efforts to win them.

President, Rotary Club Queen, Priyanka Shrivastava and Secretary Harshita Jagyani presented prizes to winners. Institute Secretary Baldeep Maini and Principal Koyali Sen explained children regarding significance of World Disability Day. All the teachers from Justice Tankha Memorial rendered their support to make the programme a grand success.

DOLL ROOM

बौद्धिक निःशक्त, सी.पी. एवं ऑटिज्म बच्चों हेतु डॉल रुम का निर्माण किया गया।

FUN TIME